अल्बर्ट आइन्स्टाइन

drishtiias.com/hindi/printpdf/essay-albert-einstein

सबसे पहले आपको खेल के नियमों को जानना चाहिये, उसके बाद ही आप दूसरों से बेहतर खेल सकते हैं!

दो चीजें अनंत हैं: ब्रह्माण्ड और मनुष्य की मूखर्ता; और मैं ब्रह्माण्ड के बारे में दृढ़ता से नहीं कह सकता!

बुद्धि का सही संकेत ज्ञान नहीं बल्कि कल्पनाशीलता है!

कोई भी समस्या चेतना के उसी स्तर पर रह कर नहीं हल की जा सकती है जिस पर वह उत्पन्न हुई है!

हिंसा हमेशा बाधा को जल्दी से हटा सकती है, पर ये कभी सृजनात्मक नहीं हो सकती!

शांति शक्ति के द्वारा नहीं रखी जा सकती है। यह केवल समझ से प्राप्त की जा सकती है!

यदि आप किसी चीज को साधारण तरीके से नहीं समझा सकते हैं तो इसका मतलब है कि आप उसको सही ढंग से नहीं समझ पाए हैं!

धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है, विज्ञान के बिना धर्म अंधा है!